दादी थारो सातयो मांडु

तर्ज: धोहे धोहे अंगने

दादी जद थारो सातयो मांडु
सातूँ सुख म्हाने मिल जावै
सातयं ने जब निरखूँ मायड़
सूरत थारी दिख जावै

लेकर थाली, घोल के रोली ओढ़ के चुनड मैं आऊॅं
चौक पुराऊँ सातयो बनाऊॅं,गजरो मेहन्दी में गाऊॅं
सवा रुपयो खोपरो चूड़ो,चढ़तॉं आख्या भर आवे॥दादी॥

13 टिक्कियां 13 सती की सातये नीचे में देऊ
रोली चिरचूँ चावल चोढू, नाल सुरंगों में लेऊँ
जया लेऊ हाथा मेहन्दी पूरो तन मन रंग जावे॥दादी॥

चारुँ कुंटा सातये की ए, चारुँ दिशा से सुख ल्यावे
सातयो माली चारुँ बिन्दया मंगल गुट्टू करवावे
श्री लिखता ही सातये उपर श्री लक्ष्मी म्हारे घर आवे॥दादी॥

Lyrics guttu sureka
Singer pankaj Joshi

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36711/title/dadi-tharo-satiyo-mandu

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |